भारतीय भाषा समिति

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

द्वारा संपोषित

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ (हरियाणा)

के तत्वावधान में आयोजित

कार्यशाला

भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन

29 नबम्बर, 2022 से 01 दिसम्बर, 2022

आयोजन स्थल

संगोष्ठी कक्ष शिक्षा पीठ शैक्षणिक खंड 4

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ (हरियाणा)

भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन

संदर्भ:

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का यह स्पष्ट मानना है कि अपनी भाषा में शिक्षित होना कोई बाधा नहीं है बल्कि अपने अंदर के सर्वश्रेष्ठ को निखारने के लिए यह बहुत आवश्यक है। इसलिए यह नीति अपने मूलभूत सिद्धांतों में बहुभाषिकता के कार्य मे भारतीय भाषाओं की शक्ति को प्रोत्साहित करने पर बल देती है साथ ही यह शोधार्थियों के बीच अकारण बन गए शोध एवं अकादमिक लेखन भाषायी बाधाओं को दूर करने के विभिन्न उपायों को यथाशीघ्र शामिल करने की बात कहती है। इस संदर्भ में, शिक्षा के हर स्तर पर शोध एवं अकादमिक लेखन में भारतीय भाषा माध्यम को प्रभावी रूप से स्थापित करने के लिए वर्तमान एवं भावी शिक्षकों के चिंतन में मौलिक परिवर्तन की आवश्यकता प्रतीत होती है, उसको यह जागृति लानी होगी कि भारतीय भाषा में शोध एवं अकादमिक लेखन के कई अकादमिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक लाभ हैं तथा अपनी भाषा में शोध एवं अकादमिक लेखन होने से शोधार्थी किसी भी ज्ञान को बेहतर तरीके से सीख पाएंगे, राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शोध एवं अकादमिक लेखन की शिक्षा को मातृभाषा स्थानीय भाषा या क्षेत्रीय भाषा में देने का प्रावधान कर सभी भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया है निसंदेह यह एक स्वागत योग्य पहल नेल्सन मंडेला तो कहा ही करते थे कि यदि आप किसी व्यक्ति से ऐसी भाषा में बात करते हैं जो वह समझ सकता है तो वह उसके मस्तिष्क में घर करती है। लेकिन अगर उसकी अपनी भाषा में बात करते हैं तो वह सीधे उसके हृदय को छूती है यह सर्वविदित है, कि बच्चे अपने घर की भाषा मातृभाषा में बुनियादी अवधारणा को सरलता से और गहनता से समझ पाते हैं जबकि अंग्रेजी में उन्हें बार-बार पढ़ना पड़ता है हमारे देश में अंग्रेजी का प्रदर्शनकारी प्रभाव इतना ज्यादा व्यापक है कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं को कड़ा संघर्ष करना पड़ेगा परंतु सभी को विश्वास है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा यह बदलाव आ कर रहेगा और यह मील का पत्थर साबित होगी। इसलिए भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन विकसित करने तथा शोधार्थियों शोध एवं अकादमिक लेखन को प्रेरित करने के लिए एक अकादमिक आंदोलन की आवश्यकता है इससे शोधकर्ताओं को बेहतर अवसर उपलब्ध होगें क्योंकि वह अपनी भाषा में शोध एवं अकादमिक लेखन करने में सक्षम होंगे। अतः इस प्रसांगिक विषय पर भारतीय भाषा समिति के संपोषण में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ (हरियाणा) के तत्वाधान में त्रिदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, इस कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों के अंतर्गत भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन उपयोग संबंधी आयामों पर विचार-विमर्श तथा शोधार्थीयों का कौशल वर्धन किया जाएगा। इसमें प्रतिभागी के तौर पर हरियाणा प्रदेश एवं अन्य प्रदेशों के शोधार्थी एवं शिक्षक गण आदि सम्मिलित होंगे।

प्रमुख उद्देश्य:

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अवलोकन में शिक्षा की अवधारणा को भारतीय भाषा के संदर्भ में समझना।
- बहुभाषी शिक्षा के लिए प्रतिभागियों के शोध एवं अकादमिक लेखन में विचार विमर्श करना।
- भारतीय भाषाओं में शोध व अकादमिक लेखन हेतु विभिन्न नवाचारी विधियों का सम्वर्द्धन करना ।
- भारतीय भाषाओं में शोध व अकादमिक लेखन हेतु प्रतिभागियों का क्षमता सम्वर्द्धन करना।

भारतीय भाषा समिति के विषय में:

भारतीय भाषा के संवर्धन के लिए भारतीय भाषा समिति का गठन शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 15 नवंबर, 2021 को किया गया। इस उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष श्री चमू कृष्ण शास्त्री हैं। इस समिति का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में भारतीय भाषाओं के समग्र एवं बहु-विषयक विकास के लिए त्वरित उपायों एवं कार्य योजना का

सुझाव देना है । समिति को भारतीय भाषाओं के शिक्षण एवं अनुसंधान के विकास से संबंधित सभी मामलों पर शिक्षा मंत्रालय को सलाह देने का कार्य सौंपा गया है । इस दिशा में समिति कई कार्य कर रही है; जैसे - भारतीय भाषाओं के विकास के लिए शैक्षणिक संस्थाओं में भाषा शिक्षण सुविधाओं का सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा ढांचे में सुधार हेतु सुझाव देना; सभी श्रेणियों की भाषाओं, अर्थात अनुसूचित, लुप्तप्राय, गैर-अनुसूचित, लघु जनजातीय, शास्त्रीय भाषाएँ, आदि का समावेश सुनिश्चित करना; कौशल और व्यवसायिक शिक्षा का भारतीय भाषाओं में सुलभता, भाषा सीखने-सिखाने की नवाचारी तकनीकों, भाषा शिक्षकों की शिक्षा व विकास, भाषा प्रवीणता, अनुसंधान, भाषा संग्रहों का निर्माण, अनुवाद आदि के लिए सिफारिश करना; शोधार्थीयों के लाभ के लिए भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन को बढ़ावा देना; एक भारत श्रेष्ठ भारत के बोध को सुदृढ़ करने के लिए नवाचार प्रकोष्ठ, भारतीय ज्ञान प्रणाली आदि शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए छात्र केंद्रित पहलों के साथ निकटता से समन्वय स्थापित करना आदि । समिति का कार्यालय विश्वकर्मा भवन (तृतीय तल 'ए' खंड), शहीद जीत सिंह मार्ग कटवारिया सराया, नई दिल्ली 110016 में स्थित है ।

विश्वविद्यालय के विषय में:

केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा संसद के केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम-2009 के तहत ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना (2007-2012) में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार (भारत सरकार) द्वारा स्थापित पंद्रह नए केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से एक है। विश्वविद्यालय को मार्च 2017 में आयोजित नैक मूल्यांकन और प्रत्यायन के पहले चक्र में 'ए' ग्रेड से मान्यता प्राप्त है। विश्वविद्यालय पूरी तरह से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा वित्त पोषित है। विश्वविद्यालय का स्थायी परिसर हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के जांट-पाली गांवों में 488 एकड़ भूमि में स्थित है, जहां से हि.कें.वि. अपना शैक्षणिक संचालन चला रहा है। वर्तमान में विश्वविद्यालय 72 शैक्षणिक कार्यक्रम (यूजी/पीजी/रिसर्च) प्रदान करता है।

अध्यापक शिक्षक शिक्षा विभाग के विषय में:

यह विभाग मुख्य रूप से विभिन्न विषयों में सीखने-सिखाने के प्रभावी तरीकों की पहचान कराता है । जो भारत में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता को शिक्षार्थियों के प्रदर्शन, सीखने की उपलब्धियों, संज्ञानात्मक क्षमताओं को बढ़ाने और ड्रॉपआउट को कम करने आदि के संदर्भ में बना सकते हैं । इस शिक्षायी कार्ययोजना के लिए यह अध्यापक शिक्षक शिक्षा विभाग स्कूल और विश्वविद्यालय के शिक्षकों की शिक्षा शास्त्रीय और अध्यापक शिक्षा के योजनाकरों की शैक्षिक चिंताओं प्रशासन नेतृत्व और प्रबंधन में दक्षता विकसित करने के लिए इसके साथ कार्य करते हुए शिक्षा अनुसंधान और कक्षा प्रक्रियाओं में दक्षता संवर्धन के लिए कार्यशील एवं स्कूल और शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता और इक्विटी में सुधार करने हेतु कृत संकल्पित है ।

सन्दर्भ व्यक्ति/विषय विशेषज्ञों की सूची

1. डॉ. रमेश प्रसाद पाठक, आचार्य, शिक्षा विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली
2. प्रो. अशोक कुमार, आचार्य, हिंदी विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
3. डॉ. जसपाल सिंह, सह – आचार्य, शिक्षा विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू
4. डॉ. बाबू राम, सेवा निवृत आचार्य, अधिष्ठाता हिन्दी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र एवं बंशीलाल विश्वविद्यालय
5. डॉ. विजय दत्त शर्मा, सेवा निवृत निदेशक, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, हरियाणा
6. डॉ. जगदीश प्रसाद, मुख्य प्रबंधक/ विभागाध्यक्ष (राजभाषा सामान्य प्रशासन)
7. डॉ. चन्दन श्रीवास्तव, अकादमिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति

तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन

भारतीय भाषा समिति (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा शिक्षापीठ, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा के तत्वाधान में आयोजित

कार्यशाला-गतिविधि विवरण		
दिन/दिनांक	**सत्र/समय**	**विषय/प्रसंग**
प्रथम दिन कार्यशाला **मंगलवार** **29/11/2022**	**सत्र – 1** 09:30AM – 11:00 AM	**उद्घाटन** भारतीय भाषा में शोध एवं अकादमिक लेखन
	11:00AM – 11:30 AM	जलपान
	सत्र – 2 11:30 AM – 01:00 PM	उच्च शिक्षा के स्तर में भारतीय भाषाओं में शोध प्रविधियों एवं शिक्षण के सम्मुख आने वाली चुनौतियां
	01:00 PM – 02:00 PM	दोपहर भोजन
	सत्र – 3 02:00 PM – 3:30 PM	निवासी भारतीय भाषाओं में ज्ञान सृजन के अवसर
	03:30 PM – 03:45 PM	जलपान
	सत्र – 4 03:45 PM – 05:15 PM	भारतीय भाषाओं के शोध में अंतरजाल कि उपयोगिता
दिन/दिनांक	**सत्र/समय**	**विषय/प्रसंग**
द्वितीय दिन कार्यशाला **बुधवार** **30/11/2022**	**सत्र – 1** 09:30AM – 11:00 AM	**हस्त अनुभव के लिए** अपने शब्दों में लेखन संक्षिप्तीकरण सहज अभिव्यक्ति करण के लिए हस्त अनुभव/अभ्यास
	11:00AM – 11:30 AM	जलपान
	सत्र – 2 11:30 AM – 01:00 PM	**हस्त अनुभव के लिए** किसी कार्यशाला और सेमिनार की व्यवसायिक प्रतिवेदन लेखन में हस्त अनुभव/ अभ्यास
	01:00 PM – 02:00 PM	दोपहर भोजन
	सत्र – 3 02:00 PM – 3:30 PM	**हस्त अनुभव के लिए** अपनी पसंद के शोध पत्र की समालोचना, विश्लेषण एवं उसके प्रतिवेदन के लिए भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन का हस्त/अनुभव
	03:30 PM – 03:45 PM	जलपान
	सत्र – 4 03:45 PM – 05:15 PM	**हस्त अनुभव के लिए** भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन का हस्त अनुभव/अभ्यास

दिन/दिनांक	**सत्र/समय**	**विषय/प्रसंग**
तृतीय दिन कार्यशाला **बृहस्पतिवार** **01/12/2022**	**सत्र – 1** 09:30AM – 11:00 AM	पुस्तक समीक्षा लेखन पर विचार विमर्श
	11:00AM – 11:30 AM	जलपान
	सत्र – 2 11:30 AM – 01:00 PM	**प्रतिभागियों की प्रस्तुति** भारतीय भाषाओं में अनुसंधान/शोध एवं अकादमिक लेखन
	01:00 PM – 02:00 PM	दोपहर भोजन
	सत्र – 3 02:00 PM – 3:30 PM	**प्रतिभागियों की प्रस्तुति** भारतीय भाषाओं में अनुसंधान/शोध एवं अकादमिक लेखन
	03:30 PM – 03:45 PM	जलपान
	सत्र – 4 03:45 PM – 05:15 PM	**समापन**

आयोजन समिति

संरक्षक

प्रोफेसर – टन्केश्वर कुमार

कुलपति केन्द्रीय वि. वि. हरियाणा,महेंद्रगढ़

संयोजक

प्रोफेसर - सारिका शर्मा

अधिष्ठाता शिक्षा पीठ व विभागाध्यक्षा शिक्षक शिक्षा विभाग

समन्व्यक

प्रोफेसर - नन्द किशोर

सह-समन्व्यक

प्रोफेसर - गौरव सिंह

सदस्य

डॉ-आरती यादव

डॉ-अमितसिंह

(Registration form will be send at nandkishor@cuh.ac.in)

भारतीय भाषा समिति

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा संपोषित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ (हरियाणा)के तत्वावधान में त्रिदिवसीय कार्यशाला'भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन पर दिसम्बर 05-07, 2022 को अयोजित की जाएगी।

आयोजन स्थल

संगोष्ठी कक्ष शिक्षा पीठ शैक्षणिक खंड 4-हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ (हरियाणा)

कार्यशाला में प्रतिभागियों हेतु सीटें सीमित हैं

पंजीकरण प्रपत्र

1- प्रतिभागी का नाम ----------

2- लिंग(पुरुष/महिला/ट्रांसजेंडर)---------- श्रेणी ----------

3- योग्यता ---------- कक्षा /पाठयक्रम----------

4- कार्यशाला हेतु उपयोगी भाषा ----------विषय ----------
अदिस्थत

5- कार्यानुभव यदि कोई हो तो----------

6- संस्था व विभाग का नाम ----------

7- प्रतिभागी का पूर्ण पता ----------

दूरभाष संख्या ----------ईमेल----------

८-अन्यकोई विवरण यदि सार्थक हो तो ----------

हस्ताक्षर (आवेदक/प्रतिभागी)

(स्वीकृति प्रदान करने वाले अधिकारी के हस्ताक्षर)